International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 27-04-2022, Accepted: 14-05-2022, Published: 28-05-2022
Volume 8, Issue 3, 2022, Page No. 22-24

आभासी शिक्षा के प्रति छात्र की धारणा–मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा के संदर्भ मे

बी नाइटिंगेल देवी, संजय खाण्डेकर, ओ पी सोनवानी, नवीन कुमार ताम्रकार
मात्स्यिकी आधारभूत विज्ञान एवं मानविकी विभाग, मात्स्यिकी महाविद्यालय, दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ, भारत

सारांश
वर्तमान परिदृश्य वैश्विक महामारी (कोविड–19) के दौर मे ई–लर्निंग आज की शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। यह अध्ययन आभासी शिक्षा के प्रति छात्र की धारणा का अध्ययन सत्र 2020–21 के लिए आयोजित किया गया था। अध्ययन के लिए छ.ग. मे चल रहे, राज्य के एक मात्र मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा का चयन किया गया था। प्राथमिक आंकड़े को पूर्व परीक्षण प्रश्नावली का उपयोग करके साक्षात्कार विधि से एकत्र किया गया है तथा द्वितियक आंकड़े पहले से मौजूद शोधपत्रों, रिपोर्टो और इंटरनेट आदि स्त्रोतो से एकत्र किया गया है। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का क्रियांवयन छात्रो के लिए महामारी के दौर में सबसे सुरक्षित तरीके से अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए बहुत उपयोगी रहा।

मूल शब्दः आभासी शिक्षा, ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी।

प्रस्तावना
शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन आज हमारे जीवन के कई पहलुओं में बढ़ रहा है। इस महामारी के दौरान छात्रो की पढ़ाई निरंतर रखने के लिए मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा द्वारा आभासी शिक्षा प्रणाली का प्रारंभ किया गया था। इस महाविद्यालय के द्वारा चार वर्षो की स्नातक (बी.एफ.एससी) कोर्स, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, दिल्ली के पाचवीं अधिष्ठाता समिति द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम का प्रचालन किया जा रहा है। यह महाविद्यालय नव स्थापित दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय ,दुर्ग का एक संघटक है। अध्ययन के दौरान महाविद्यालय मे कुल 272 छात्र थे। जिसमें प्रथम वर्ष में 97 छात्र, द्वितीय वर्ष में 76, तृतीय वर्ष में 70 एवं चतुर्थ वर्ष में 29 छात्र अध्ययनरत थे। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य आनलाइन शिक्षा प्रणाली की प्रभातशीलता की पहचान करना है। बिना किसी पक्षपात के छात्रो से ईमानदारी पूर्वक समीक्षा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक वर्ष से 25 छात्रो का यादृच्छिक रूप से चुना गया था जो कुल 100 छात्रों की संख्या का नमुना बनता है। प्रारंभिक अध्ययन से पता चला है कि चयनित महाविद्यालय के अधिकांश छात्र इंटरनेट के सक्रिय उपयोगकर्ता हैः ईमेल, यूट्युब और अन्य सोशल मीडिया अच्छे से परिचित है किन्तु वे ऑनलाईन शिक्षा प्रणाली से अवगत नहीं थे। इंटरनेट और सोशल मीडिया की एक सक्रिय उपयोगकर्ताओ को भी ई–लर्निंग में कुछ समस्याएँ होती हैं क्योंकि प्रौद्योगिकी की दैनिक उपयोग एवं सीखने की अनुभव से बहुत अलग होती है। पोपोविसी और मिरोपोव (2014) सुझाव देते हैं कि किसी नई तकनीको को अपनाने को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक आवश्यकताएं और मांग होती है। यदि कोई छात्र ई–लर्निंग को अपनी पढ़ाई के लिए उपयोगी और सहायक मानता है, तो वह भविष्य में इसे अपनाने को तैयार हैं। दूसरी ओर, ई–लर्निंग को अपनाने में कौशल और ज्ञान की कमी जैसे बाधाएँ समस्या पैदा कर सकती हैं।

अनुसंधान क्रियाविधि
1. नमुना आकार और अध्ययन का क्षेत्र हमने मात्स्यिकी महाविद्यालय, कवर्धा के प्रत्येक वर्ष से याच्छिक रूप से 25 छात्र, कुल 100 छात्र अध्ययन के लिये चयन किया गया।
2. यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक दोनो पर निर्भर है, गुणात्मक आंकड़े संग्रह के लिए प्रत्यक्ष साक्षात्कार विधि से छात्रो से लिया गया है। इन साक्षात्कारों से प्राप्त परिणामों का उपयोग छात्रों की धारणाओं की पहचान करनें के लिए किया गया था। जिसमें अनुमानित छात्रो से आंकड़े एकत्र करने के लिए प्राथमिक और द्वितीयक दोनो आंकडों का उपयोग किया गया है।
3. संख्यिकीय विश्लेषण के लिए एकत्र किये गए आंकडो को कम्प्युटर आधारित एम. एस. एक्सेल का उपयोग किया गया है।

परिणाम और चर्चा
1. छात्र प्रोफाइलः

1. छात्रों की कुल संख्याः– अध्ययन के दौरान महाविद्यालय मे कुल 272 छात्र थे। जिसमें प्रथम वर्ष में 97 छात्र, द्वितीय वर्ष में 76, तृतीय वर्ष में 70 एवं चतुर्थ वर्ष में 29 छात्र अध्ययनरत थे। प्रत्येक वर्ष से याच्छिक रूप से 25 छात्र, कुल 100 छात्र अध्ययन के लिये चयन किया गया।

2. **छात्रों का लिंगः–**अध्ययन में 51 प्रतिशत छात्रा और 49 प्रतिशत छात्र पाया गया।

3. **छात्रों की आयुः–**महाविद्यालय में 10 प्रतिशत छात्र 18–20 वर्ष के, 48 प्रतिशत 20–21 वर्ष के, 39 प्रतिशत 21–23 वर्ष के और 03 प्रतिशत 23–24 वर्ष के छात्र अध्ययरत है।

4. **भौगोलिक क्षेत्र जहां से छात्र संबंधित हैंः–**अध्ययन में यह पाया गया है कि 59 प्रतिशत छात्र ग्रामीण एवं 41 प्रतिशत छात्र शहरी क्षेत्र के अंतर्गत आते है।

2. ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के प्रति छात्रों की धारणा

ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के प्रति छात्रों की धारणा तालिका क्रं.01 पर प्रस्तुत है। तालिका यह प्रदर्शित करती है कि 85 प्रतिशत छात्र को ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का उपयोग करते समय विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा, 79 प्रतिशत छात्र पहली बार सीखने के इस प्रणाली का उपायोग किये। इस कोविड महामारी के दौर में 72 एवं 67 प्रतिशत छात्रों ने इस प्रणाली अधिक सुरक्षित एवं सहज बताये, किन्तु 11 प्रतिशत छात्र ही इस प्रणाली को नियमित रखना चाहते है।

तालिका 1: ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के प्रति छात्रों की धारणा

स.क्र.	प्रश्नावली	धारणा	
		स्हमत (प्रतिशत)	टसहमत (प्रतिशत)
1.	क्या ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली के तुलना में ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली में अध्ययन आसान है?	42	58
2.	क्या आपको लगता है कि ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के कारण परीक्षा परिणाम में वृध्दि हुई है?	52	48
3.	क्या आपको लगता है कि ई–लर्निंग माध्यम का उपयोग करना आसान है?	38	62
4.	क्या आप ऑनलाइन क्लास करते समय बोरिंग महसूस करते है?	49	51
5.	क्या ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली, ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली की तुलनाा में किसी विषय को याद रखने में मदद करेगा?	34	66
6.	क्या आपको ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली में कक्षाओं में भाग लेने में सहज महसूस होती है?	67	33
7.	क्या आपको लगता है कि ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का तरीका ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली से बेहतर है?	26	74
8.	आप किस प्रकार के शिक्षा प्रणाली को अधिक पसंद करेंगे?	09	91
9.	क्या आप पहली बार सीखने के ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का उपायोग कर रहे है?	79	21
10.	क्या आपको ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का उपयोग करते समय किसी समस्या का सामना करना पड़ा?	85	15
11.	क्या आपको लगता है कि इस कोविड–19 महामारी के दौर में छात्रों के लिए यह प्रणाली अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक है?	72	28
12.	क्या आप सीखने के इस प्रणाली को नियमित रखना चाहते है?	11	89

निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि कोविड–19 महामारी के दौर में छात्रो को ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से अध्ययन को सुचारू रखने में सहायक रहा, किन्तु 89 प्रतिशत छात्र ऑफलाइन को ही निरंतर रखना चाहते है। छात्रो का मानना है कि इस प्रणाली से उनके परीक्षा अंको में वृध्दि हुई, लेकिन साथ ही इससे उनके अनुभव की कमी के कारण उपयोग करना सुविधाजनक नही है। इस प्रणाली का कई छात्रो ने अच्छे से लाभ लेते हुए इस दौर के कठिन समय का सदुपयोग करते हुए अपने ज्ञान मे वृध्दि किये। अभी भी कुछ छात्र ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली को प्राथमिकता देते है क्योकि उनके सामने कई बाधाओं का सामना करना पड़ा था जैसे कि नेटवर्क की समस्या, अच्छे स्मार्टफोन की समस्या, प्रत्यक्ष प्रायोगिक अनुभव की कमी आदि।महाविद्यालय के दुरस्थ स्थानो के छात्रो ने सुझाव दिया कि यदि संचार सेवा को उनके स्थानो तक सुचारू से पहुचाये तो ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से कक्षाओं मे भाग लेने मे कोई समस्या नही होगी। फिर अंत मे हम यह निष्कर्ष पर पहुचते है कि मात्स्यिकी महाविद्यालय कवर्धा, छत्तीसगढ़ मे ऐसे कठिन दौर मे इस ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली का क्रियांवयन छात्रो के लिए सबसे सुरक्षित तरीके से अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए बहुत फायदेमंद रहा।

संदर्भ

1. Al-Adwan Amer, Al-Adwan Ahmad, Smedley Jo. Exploring students acceptance of e- learning using Technology Acceptance Model in Jordanian universities. International Journal of Education and Development using Information and Communication Technology (IJEDICT),2013:9(2):P4-18.
2. Almarabeh T. Students' perceptions of e-learning at the university of Jordan. iJET,2014:9(3):P31-35. http://dx.doi.org/10.3991/ijet.v9i3.3347

3. Popovici A, Mironov C. Students' perception on using e-learning technologies. Procedia - Social and Behavioral Sciences. The 6th International Conference Edu World 2014 "Education Facing Contemporary World Issues", 7th - 9th November 2014. Published by Elsevier Ltd,2014:180(2015)1514-1519. https://coek.info/pdf-students-perception-on-using-elearning-technologies-.html
4. http://dx.doi.org/10.1016/j.sbspro.2015.02.300
5. https://byjus.com/maths/data-collection-methods/
6. http://cgkv.ac.in/fisheries.aspx
7. https://www.researchgate.net/publication/328383503
8. http://cgkv.ac.in/NAHEP.aspx
9. https://www.kenresearch.com/education-and-recruitment/education/india-e-learning-marketresearch-report/393-99.html
10. https://www.weforum.org/agenda/2016/09/is-online learning-the future-of-education/
11. https://www.online-education.net/articles/general/what is online education.html
12. https://www.researchgate.net/publication/343897561